INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VIII (2nd Lang)	Department: Hindi	Date- 27 /10/24
Q. Bank	Topic: - अकबरी लोटा	Note: Pls. write in your Hindi note book

दीर्घ प्रश्न-उत्तर

प्रश्न 1- अंग्रेज़ द्वारा सुनाई गई जहाँगीरी अंडे की कहानी लिखिए ।

उत्तर- कहानी के अनुसार एक कबूतर ने मुगल सम्राट जहाँगीर का नूरजहाँ से प्रेम करवाया था । एक बार जहाँगीर ने नूरजहाँ से पूछा कि तुमने मेरा कबूतर कैसे उड़ाया? तब नूरजहाँ ने उसके दूसरे कबूतर को उड़ाते हुए कहा कि ऐसे उड़ा दिया ।जहाँगीर नूरजहाँ के इस भोलेपन पर मुग्ध हो गए ।नूरजहाँ अपने पूरे जीवन काल में कबूतर द्वारा उस पर किए गए इस एहसान को भूल नहीं पाई । जहाँगीर ने उस कबूतर के एक अंडे को बहुत सँभाल कर रखा । यही अंडा बाद में 'जहाँगीरी अंडे' के नाम से प्रसिद्ध हुआ ।

प्रश्न2- बिलवासी जी ने रुपयों का प्रबंध कहाँ से किया था ? लिखिए ।

उत्तर- पंडित बिलवासी मिश्र लाला झाऊलाल के घनिष्ठ मित्र थे। दोनों एक-दूसरे से कुछ नहीं छुपाते थे। अपने मित्र को कठिनाइयों में देख और उसकी आपबीती सुनकर पंडित जी ने उनकी सहायता करने का निश्चय किया। जब पंडित जी के पास कहीं से भी रुपयों का प्रबंध नहीं हुआ तो उन्होंने अपनी पत्नी के संदूक में से ढाई सौ रुपये निकाल लिया। पत्नी को इसका पता नहीं चला। इस प्रकार से पंडित बिलवासी मिश्र ने रुपयों का प्रबंध किया ।

प्रश्न 3- आपके विचार से अंग्रेज ने यह पुराना लोटा क्यों खरीद लिया ?

उत्तर- अंग्रेज द्वारा पुराना बेढंगा लोटा खरीदने में उसका अहंकार टकरा गया। उसने पंडित बिलवासी मिश्र को नीचा दिखाने के लिए पाँच सौ रुपये देकर बेढंगा लोटा खरीद लिया। दूसरा कारण यह भी था कि वह अपने पड़ोसी मेजर डगलस को नीचा दिखाना चाहता था ।वह सिद्ध करना चाहता था कि डगलस के सिवाए और कोई भी है, जो पुरानी एवं ऐतिहासिक वस्तुओं को खरीदकर भारत से इंग्लैंड ला सकता है। इन दोनों कारणों से अंग्रेज ने पुराना बेढंगा लोटा खरीद लिया।

लघु प्रश्न-उत्तर

प्रश्न1- लाला झाऊलाल के बारे में आप क्या जानते हैं ?

उत्तर- लाला झाऊलाल काशी के ठठेरी बाजार में रहते थे। उन्हें खाने-पीने की कोई कमी नहीं थी। घर के नीचे की दुकानों से उन्हें सौ रुपये किराया मिल जाता था । अपनी पत्नी को रुपए देने के नाम पर वे घबरा गए थे ।

प्रश्न2- "डरिए मत आप देने में असमर्थ हों तो मैं अपने भाई से माँग लूँ !" पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर- यह पंक्ति लाला झाऊलाल की पत्नी ने उनकी दशा देखकर कही। लाला झाऊलाल कंजूस प्रवृत्ति के व्यक्ति थे ।पत्नी द्वारा एकाएक ढाई सौ रुपये माँगने पर उनका जी बैठ गया ।तब पत्नी ने उनसे कहा "डरिए मत आप देने में असमर्थ हों तो मैं अपने भाई से माँग लूँ !"

अति लघु प्रश्नोत्तर

प्रश्न-1-लोटा कितना पुराना था ?

उत्तर - लोटा दो साल पुराना था ।

प्रश्न-2-अंग्रेज़ को देखकर लाला ने क्या समझा?

उत्तर- अंग्रेज़ को देखकर लाला समझ गए कि लोटे ने अंग्रेज़ को भिगो दिया है तथा उसके पैरों पर चोट लगी है ।

प्रश्न-3-अकबर ने ब्राह्मण को कितने लोटे दिए?

उत्तर- अकबर ने ब्राह्मण को दस सोने के लोटे दिए ।

प्रश्न-4– बादशाह हुमायूँ किससे पराजित होकर मारा-मारा फिर रहा था ?

उत्तर- बादशाह हुमायूँ शेरशाह से पराजित होकर सिंध के रेगिस्तान में मारा-मारा फिर रहा था ।

प्रश्न-5- मेजर डगलस ने जहाँगीरी अंडा कहाँ से खरीदा था?

उत्तर-मेजर डगलस ने जहाँगीरी अंडा दिल्ली से खरीदा था ।

प्रश्न6- लाला झाऊलाल ने रौब से पत्नी को क्या कहा?

उत्तर- लाला झाऊलाल ने रौब से पत्नी को कहा भाई से माँगने की ज़रूरत नहीं, मुझसे ले लेना ।

प्रश्न7- पंडित बिलवासी जी क्यों आए थे?

उत्तर - पंडित बिलवासी जी लाला झाऊलाल को ढाई सौ रुपये देने आए थे ।

प्रश्न8- लाला झाऊलाल का मकान कहाँ था?

उत्तर - लाला झाऊलाल का मकान काशी के ठठेरी बाज़ार में था ।

==========